शहरी समाचार

नई सोच नई पहल

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

जून, 2022 | वर्ष 02 | अंक 06 | **नगरीय बुलेटिन** | पृष्ठ :12 | मूल्य : नि:शुल्क

88,457
PMAY(U) आवासों का निर्माण पूर्ण

30,352
पीएम स्वनिधि ऋण वितरित

62,216
मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) जॉब कार्ड वितरित

16,902
स्वयं सहायता समूहों (SHGs) का गठन

डीएमए निदेशक श्री राजेश कु. पाठक के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का हुआ आयोजन

बनहौरा आवास परियोजना का मिला सहारा, आवासविहीनों को किराए के मकान से मिला छुटकारा।

गरीब कल्याण सम्मेलन, माननीय प्रधानमंत्री जी के साथ केन्द्रीय योजनाओं के लाभुकों का सीधा संवाद

अनुक्रमणिका

गरीब कल्याण सम्मेलन, शिमला से प्रधानमंत्री जी का सम्बोधन

बनहौरा आवास परियोजना का मिला सहारा, आवासविहीनों को किराए के मकान से मिला छुटकारा।

नव स्वीकृत आवासों को मूर्त रूप देने की कवायद तेज़

योजनाओं के क्रियान्वयन में गति प्रदान करने पर सरकार दे रही ज़ोर

नयी पहल जुगसलाई नगर परिषद में वेस्ट एग्जिबिशन

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर रही कार्यक्रमों की धूम

किफ़ायती आवासों के लिए संबंधित बैंकों एवं हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

पीएम आवास के क्रियान्वयन में निजी बैंकों की भूमिका ला रही रंग

पीएम स्वनिधि से गरीबों की जिंदगी में लौट रही खुशहाली

डीएमए निदेशक श्री राजेश कु. पाठक के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का हुआ आयोजन

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली के रूप में प्रसिद्ध : खूँटी

संदेश

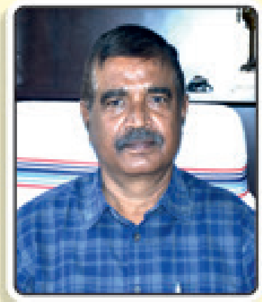

शहरी समाचार के इस अंक का प्रकाशन करना मेरे लिए "गागर में सागर" भरने जैसा है। वास्तव में शहरी समाचार के श्रृंखला का जून 2022 का छठा अंक मेरे लिए कई मायनों में अद्वितीय, अविस्मरणीय और संग्रहणीय होगा। क्योकि इसका प्रकाशन एक ऐसी गोधूली वेला में हो रही है, जब मैं अपने सेवाकाल के अंतिम पायदान पर खड़ा हूँ। आज जो वर्तमान हूँ कल निवर्तमान अर्थात सेवानिवृत हो जाऊंगा। ऐसे मोड़ पर जीवन की सभी अनुभूतियाँ चलचित्र के जैसा प्रतीत हो रही है।

सेवाकाल का प्रवेशांक भी मेरा "गरीब कल्याण" के उद्देश्य से प्रारंभ हुआ था और यह सुखद संयोग भी है कि इस सेवाकाल का अंत भी "गरीब कल्याण सम्मेलन" जैसी बहुत चर्चित कार्यक्रम के साथ ही हो रहा है, जो व्यक्तिगत तौर पर मेरे लिए सेवाकाल का पारितोषित जैसा है। अपने सेवाकाल के अंतिम चरण में जब मैंने निदेशालय में अपना योगदान दिया, तो सामने अनेकों चुनौतियाँ थी। कहते हैं कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती है, हम आजीवन कुछ न कुछ सीखते रहते हैं। वर्तमान चुनौतियों से संघर्ष करते हुए जब मैं अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा था, तो ऐसी कई परिस्थितियाँ उत्पन्न हुई,जिनसे हमें बहुत कुछ सीखने का मौका मिला।

अपनी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए मैंने कौशल प्रबंधन, समय प्रबंधन, ईमानदारी और टीमवर्क जैसी सीढ़ियाँ बनाई और अपने सेवाकाल के दौरान मैंने अनेकों योजनाओं को धरातल देने के लिए जो प्रयास किया है, उन सभी का वर्तमान स्वरूप भी मैंने इस पत्र में रखने का प्रयास किया है। जैसा कि मैंने ऊपर में कहा है यह काम "गागर में सागर" भरने जैसा है। मेरी कोशिश रही है कि सभी योजनाओं से सम्बंधित किए जा रहे सूक्ष्म से सूक्ष्म विकास कार्यों से सम्बन्धित गतिविधियों का संकलन कर इस पत्रिका के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराई जा सकें। फिर भी इस मिश्रित क्षण में यदि स्थानाभाव के कारण कोई कमी रह गई हो या किसी विषय-वस्तु को स्थान नही मिला पाया हो तो प्रबुध पाठक इस पर ध्यान न देते हुये , हमारे प्रयासों पर ध्यान केन्द्रित करेंगे। साथ ही इस पत्रिका के प्रकाशन में सभी सावधानियां बरती गई है, फिर भी यदि कोई त्रुटी रह गई हो, तो प्रबुद्ध पाठक, उन त्रुटियों के इत्तर विषय-वस्तु को समझेंगे ऐसा मेरा विश्वास है।

मेरा मानना है कि कोई भी काम कभी भी पूर्ण नहीं होता है। नित्य उसमें कुछ नया करने की सम्भावना बनी रहती है। उम्मीद है कि हमारे परिवर्तित मित्र उन संभावनाओं को तलाश कर, इन योजनाओं को एक और नयी ऊँचाई प्रदान करेंगें ।

अंत में इसी सकारात्मक संकल्पना और अवधारणा के साथ मैं अपनी सभी सहयोगी संस्थाओं को अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करने की अपील करता हूँ और बेहतर करने के लिए शुभकामनाएँ भी देता हूँ।

मैं केंद्र सरकार व राज्य सरकार को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

श्री राजेश कुमार पाठक (भा.प्र.से.)
निदेशक,
नगरीय प्रशासन निदेशालय।

गरीब कल्याण सम्मेलन

शिमला से माननीय प्रधानमंत्री जी का सम्बोधन

पीएम के साथ केन्द्रीय योजनाओं के लाभुकों से सीधा संवाद

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का दिनांक 31.05.2022 को 9 विभागों की 16 योजनाओं के लाभार्थियों के साथ देवभूमि शिमला की धरती से सीधा संवाद हुआ। केंद्र सरकार द्वारा यह अनूठा सार्वजनिक कार्यक्रम देश भर में राज्यों की राजधानियों, जिला मुख्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों में आयोजित की गई। ''गरीब कल्याण सम्मेलन'' नाम से यह कार्यक्रम आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के तहत आहूत की गई। कार्यक्रम का आयोजन हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में हुआ, जिसमें संबधित राज्य के मुख्यमंत्री, केंद्रीय और राज्यों के मंत्री, संसद सदस्य, विधानसभा सदस्य और अन्य निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। माननीय प्रधानमंत्री से रू-ब-रू हुए केंद्रीय योजनाओं के लाभुकों ने अपने जीवन परिवर्तन से सम्बधित विभिन्न पहलुओं को प्रधानमंत्री जी के साथ साझा किया।

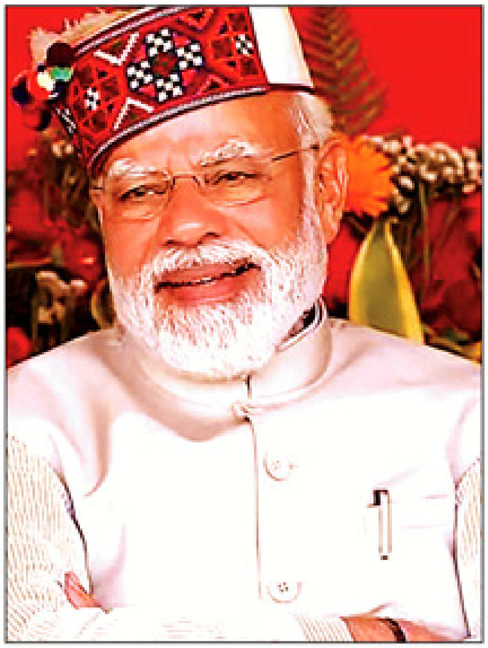

कार्यक्रम को संबोधित करते माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

- विक्रेता अपने दुकान से ही वर्चुअल संवाद में हुए शामिल
- घंटे भर चला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संवाद
- राज्य भर के सभी नगर निकायों से केंद्रीय योजनाओं के लाभुक हुए शामिल

लाभुकों ने ऑनलाइन संवाद का उठाया लाभ

''गरीब कल्याण सम्मेलन'' में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से ऑनलाइन जुड़कर सीधा संवाद का लाभ राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों के केंद्रीय योजनाओं के लाभुकों ने उठाया। इस दौरान लाभुकों में गजब का उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से पीएम स्वनिधि योजना (PMSVANidhi), स्वच्छ भारत मिशन (SBM-U) एवं प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी (PMAY-U) से आच्छादित लाभार्थियों ने सफलता पूर्वक भाग लिया।

संकल्प की कभी विस्मृति नहीं होनी चाहिए, और मेरा संकल्प था। आज है, आगे भी रहेगा। जिस संकल्प के लिए जीऊंगा, जिस संकल्प के लिए जूझता रहूंगा, जिस संकल्प के लिए आप सबके साथ चलता रहूंगा और इसलिए मेरा ये संकल्प है भारतवासी के सम्मान के लिए, हर भारतवासी की सुरक्षा, उस हर भारतवासी की समृद्धि कैसे बढ़े, हम सभी मिलकर भारत को उस ऊंचाई तक पहुंचाएंगे, जहां पहुंचने का सपना आजादी के लिए मर-मिट जाने वाले लोगों ने देखा था। आजादी के इस अमृत महोत्सव में, भारत के बहुत उज्ज्वल भविष्य के विश्वास के साथ, भारत की युवा शक्ति, भारत की नारीशक्ति, उस पर पूरा भरोसा रखते हुए मैं आज आपके बीच आया हूं।

-श्री नरेन्द्र मोदी,
माननीय प्रधानमंत्री

विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

कार्यक्रम में लाभार्थियों के साथ विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं, ईज ऑफ लिविंग में सुधार व योजनाओं के क्रियान्वयन पर लाभार्थियों से सुझाव उच्च लाभों की प्राप्ति के लिए आगे अभिसरण की संभावनाओं का पता लगाना एवं अमृतकाल में नागरिकों की आकांक्षाओं से संबन्धित बिन्दुओं पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

इन योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत

- प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी एवं ग्रामीण)
- दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना
- पोषण अभियान
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना
- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण व शहरी)
- जल जीवन मिशन
- प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना
- वन नेशन-वन राशन कार्ड
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना
- आयुष्मान भारत पीएम जन आरोग्य योजना
- आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर
- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

विभिन्न नगर निकायों में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

देवघर नगर निगम

धनबाद नगर निगम

गिरिडीह नगर निगम

बनहौरा आवास परियोजना का मिला सहारा, आवासविहीनों को किराए के मकान से मिला छुटकारा।

कार्यक्रम में लाभुकों को आवास की चाबी सौंपते जन प्रतिनिधि।

G+3 संरचना में है निर्मित आवासीय परियोजना

बनहौरा किफ़ायती आवास परियोजना का क्रियान्वयन 2 एकड़ में किया गया है। इसमें 180 आवंटियों को आवासीय सुविधा दी गयी है, जिसमें प्रति लाभुक केंद्र अंशदान 1.5 लाख रुपये, राज्य सरकार का अंशदान 1 लाख रुपये तथा लाभुक का अंशदान 3.18 लाख रुपये है।

"घर हर परिवार की प्राथमिक आवश्यकता है, जो बेहतर अवसरों के लिए सुरक्षा, गरिमा और वित्तीय सुरक्षा की भावना प्रदान करता है। सरकार चाहती है कि हर शहरी गरीब को अपना घर मिले। सरकार के प्रयास से इस स्वप्निल योजना का लाभ हर अंतिम लाभुक तक पहुंच रहा है। सरकार गरीबों के लिए प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। इस योजना के माध्यम से शहरी क्षेत्रों के लाखों परिवारों को पक्के घर के रूप में सब बुनियादी जरूरतें पूरी हो रही है।

-श्रीमती आशा लकड़ा, मेयर, रांची नगर निगम

180 लाभुकों को योजना के तहत आवास आवंटित किया गया है

112 लाभुकों को प्रथम चरण में कराया गया गृह प्रवेश

09 ब्लॉकों में कुल 180 फ्लैट का G+3 संरचना में किया गया है निर्माण

हर किसी को सुंदर आशियाना का सपना होता है, कुछ लोग किसी तरह से आशियाना बना लेते हैं तो कुछ लोग मकान खड़ा करने में जिंदगी गुजार देते हैं। फिर भी सपना पूरा नहीं होता। ऐसे में शहरी आवासविहीनों के सपनों को सरकार पूरा कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के माध्यम से अब आवासविहीनों के सपने को नया पंख लग रहा है एवं इससे उनके जीवन को नया आयाम मिल रहा है। साथ ही राज्य को वैश्विक पटल पर एक नई पहचान भी मिल रही है। रांची नगर निगम के तत्वावधान में दिनांक 15.05.2022 को क्षेत्र अंतर्गत शहरी आवासविहीनों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घटक-3 के तहत नवनिर्मित "बनहौरा किफ़ायती आवास परियोजना" के परिसर में ही "गृह प्रवेश कार्यक्रम" का आयोजन कर लाभार्थियों का गृह प्रवेश करवाया गया।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते जनप्रतिनिधि।

बनहौरा किफ़ायती आवास परियोजना के लाभुकों के गृह प्रवेश के लिए आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, रांची नगर निगम की मेयर श्रीमती आशा लकड़ा, डिप्टी मेयर श्री संजीव विजयवर्गीय, निगम के अपर नगर आयुक्त कुंवर सिंह पाहन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम में हटिया के माननीय विधायक श्री नवीन जायसवाल, उप नगर आयुक्त श्री रजनीश कुमार, सहायक नगर आयुक्त शीतल कुमारी समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि, डीएमए के अधिकारीगण, नगर निगम अधिकारी एवं कार्यकारी एजेंसी के प्रतिनिधियों समेत अन्य गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिती रहीं। योजना के तहत 180 लाभुकों को आवास आवंटित किया गया था। जिसमें से अंशदान जमा करने वाले 112 लाभुकों को आवास की चाबी सौंपी गयी। मौके पर महापौर ने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए परिसर को साफ-सुथरा रखने के लिए कहा।

साल 2020 दिसंबर में रांची नगर निगम ने बनौहरा में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 180 लाभुकों का चयन किया था। दो चरणों में लॉटरी के माध्यम से आवासों का आवंटन किया गया था। कार्यक्रम में आवास की चाबी मिलते ही सभी लाभुकों के चेहरे खिल उठे। लाभुकों ने कहा कि आज का दिन हमारे परिवार वालों के लिए खास दिन है। आशियाना का सपना पूरा होना संभव नहीं था परन्तु सरकार ने हमारे आशियाने के इस सपने को साकार कर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं अधिकारियों ने सभी लाभुकों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नव स्वीकृत आवासों को मूर्त रूप देने की कवायद तेज़

गढ़वा नगर परिषद्

शहरी गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ गरिमापूर्ण जीवन जीने में PMAY(U) योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके जरिए लाभुकों को सुरक्षित तथा बुनियादी सुविधाओं से युक्त खुद का आशियाना देने का प्रयास किया जा रहा है। डीएमए के तत्वावधान में राज्य भर के सभी नगर निकायों ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के चौथे घटक (लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण-BLC) अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में राज्य भर के 46 शहरी नगर निकायों में स्वीकृत कुल 25,443 आवासों को यथाशीघ्र मूर्त रूप देने के प्रयास तेज कर दिया है। विभिन्न चरणों में कार्ययोजना बनाकर आवास निर्माण संबंधी प्रक्रिया को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पूर्ण करने की कवायद शुरू कर दी गई है इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु अप्रैल माह में सभी नगर निकायों में एकरारनामा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके बाद अब एक साथ नगर निकायों में नींव खुदाई का कार्य प्रारंभ करवाया गया।

25,443
आवास राज्यभर में बनाए जाएंगे PMAY(U) के घटक-4 अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में

सरकार के द्वारा नए वित्तीय वर्ष में स्वीकृत आवासों के निर्माण के लिए राज्यभर के 46 शहरी निकायों में चयनित लाभार्थियों के आवासों के निर्माण कार्य का तीव्र कार्यान्वयन, दस्तावेज संबंधी प्रक्रिया के त्वरित निराकरण एवं लाभार्थियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए समयावधि निर्धारित की गई है। आवास को पूर्ण करने के लिए 240 दिन या 8 माह की अवधि सुनिश्चित की गई है। जिसमें नींव खुदाई के लिए फाउंडेशन का कार्य पूर्ण एवं जियो टैगिंग के लिए 15 दिन, फाउंडेशन से प्लिंथ का कार्य के लिए 15 दिन, प्लिंथ से लिंटन एवं जियोटैगिंग के लिए 30 दिन, लिंटन से रूफ के लिए 120 दिन एवं रंगरोगन सहित आवास को पूर्ण एवं जियोटैगिंग के लिए 60 दिन का समय तय किया गया है। तय समय में आवासों के निर्माण पूर्ण करने के लिए निकायों में नींव खुदाई का कार्य प्रारम्भ करवाया गया है। जिसके लिए दिनांक 02.05.2022 से प्रारम्भ होकर दिनांक 10.05.2022 तक समयावधि निर्धारित की गयी थी। इस समय अवधि के दौरान सभी नगर निकायों द्वारा लक्ष्य के अनुरूप बेहतर प्रदर्शन किया गया।

नगर निकायों में चयनित सभी लाभार्थियों के लिए इस तरह की पहल, तीव्र गति से कार्यों का निष्पादन एवं आवासों का नींव खुदाई प्रारम्भ होने से लाभुकों ने अपनी ख़ुशी व्यक्त करते हुए कहा कि अब अपना घर पाकर सब कुछ सपने जैसा लग रहा है एवं सरकार के प्रयास से अल्पसमयावधि में ही हम अपने नए घर में रहना शुरू कर देंगे।

नींव खुदाई कार्य की कुछ झलकियाँ

नगर उंटारी नगर पंचायत

गुमला नगर परिषद

योजनाओं के क्रियान्वयन में गति प्रदान करने पर सरकार दे रही ज़ोर

राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घटक-3 के तहत निर्माणाधीन परियोजनाओं के तीव्र क्रियान्वयन व अनुश्रवण में आ रही व्यवधानों से निपटने के लिए ज़ोर-शोर से निरीक्षण किया जा रहा है। साथ ही संबन्धित अधिकारियों एवं नगर निकायों को कार्यों के तीव्र कार्यान्वयन, गुणवत्तापूर्ण निर्माण एवं परियोजना से जुड़े विभिन्न विषयों पर कार्ययोजना बनाकर निर्माण कार्य को गति प्रदान किया जा रहा है। ताकि, राज्य के शहरी आवासविहीनों को यथाशीघ्र आवास मुहैया करायी जा सके।

MoHUA के लीड अभियंता श्री जेके प्रसाद एवं PMAY (U) कोषांग के राज्यस्तरीय टीम ने राज्य में निर्माणाधीन विभिन्न आवासीय परियोजनाओं का किया भौतिक निरीक्षण।

बिरसानगर किफायती आवास परियोजना के कार्य प्रगति का निरीक्षण MoHUA के लीड अभियंता श्री जेके प्रसाद ने किया।

चास नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत निर्माणाधीन कालापाथर किफ़ायती आवास परियोजना के कार्य प्रगति का निरीक्षण करते डीएमए के अधिकारी।

PMAY(U) कोषांग के अधिकारीयों द्वारा नगर निकायों में निर्माणाधीन आवासीय परियोजनाओं का निरीक्षण

दिनांक 09.05.2022 को डीएमए से PMAY(U) कोषांग के राज्यस्तरीय टीम द्वारा दुमका नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत ''दुधानी किफ़ायती आवास परियोजना'', दिनांक 10.05.2022 को देवघर नगर निगम व मिहिजाम नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत निर्माणाधीन क्रमशः ''मोहनपुर किफ़ायती आवास परियोजना'', ''कुटबेड़िया किफ़ायती आवास परियोजना'', के कार्य प्रगति का भौतिक निरीक्षण किया गया। दिनांक 28.05.2022 को मधुपुर नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत निर्माणाधीन '' नवाडीह किफ़ायती आवास परियोजना'' के कार्य प्रगति का भौतिक निरीक्षण किया गया।

"''बिरसानगर हाउसिंग प्रोजेक्ट'' पूरे भारत में चल रही इन परियोजनाओं में सबसे बड़ी और उत्कृष्ट परियोजना है। झारखण्ड राज्य के इस क्षेत्र के शहरी आवासविहीनों के लिए सुरक्षित वातावरण एवं सुविधायुक्त आवास की उपलब्धता लाभुकों को सामाजिक व आर्थिक रूप से समृद्ध होने एवं गरिमापूर्ण जीवन जीने में मददगार साबित होगी।

श्री जेके प्रसाद, लीड अभियंता, शहरी आवासन एवं कार्य मंत्रालय, भारत सरकार।

शहरी आवासन एवं कार्य मंत्रालय (MoHUA) के अभियंता ने भी किया आवासीय परियोजनाओं का निरीक्षण

दिनांक 11.05.2022 को MoHUA के लीड अभियंता श्री जेके प्रसाद एवं डीएमए के अधिकारीयों ने हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत निर्माणाधीन ''कोलघट्टी किफ़ायती आवास परियोजना'', दिनांक 12.05.2022 को सरायकेला नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत निर्माणाधीन ''नोरोडीह किफ़ायती आवास परियोजना'', दिनांक 13.05.2022 को "बिरसानगर किफ़ायती आवास परियोजना" एवं दिनांक 19.05.2022 को चास नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत निर्माणाधीन ''कालापाथर किफ़ायती आवास परियोजना" के कार्य प्रगति का भौतिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकांशः निर्माणाधीन परियोजनाओं को देखकर केंद्र एवं राज्य की टीम ने संतुष्टि जताई एवं संबन्धित निकाय के पदाधिकारियों व एजेंसी को लक्ष्य के अनुरूप कार्य पूर्ण करने के लिए कहा गया।

नयी पहल

जुगसलाई नगर परिषद में वेस्ट एग्जिबिशन

लोगों को किया गया जागरूक

वेस्ट मैटेरियल से घर सजाने के तरीके बताते नगर परिषद के अधिकारी

स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 को लेकर राज्यभर के सभी नगर निकाय अति गंभीर हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। इसी कड़ी में ज़ुगसलाई नगर परिषद ने अनुप्रयुक्त सामान को उपयोगी बनाने की पहल शुरू की है। साथ ही इसके लिए लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। इसी के तहत जुगसलाई नगर परिषद कार्यालय परिसर में दिनांक 8 मई 2022 को मदर्स डे के अवसर पर मदर नेचर को समर्पित करते हुए वेस्ट एग्जिबिशन लगाया गया।

मदर्स डे के अवसर पर जुगसलाई नगर परिषद परिसर में आयोजित इस एग्जिबिशन में लोगों को जागरूक करते हुए बताया गया की जिन वस्तुओं को बेकार समझकर हम फेक देते हैं। वह भी उपयोगी हो सकती है। कोई भी वस्तु व्यर्थ नहीं है सभी को काम में लाया जा सकता है। इससे रोजगार सृजन भी किया जा सकता है। साथ ही लोगों को प्लास्टिक के ग्लास, बोतल, जूते, पुराने टायर व अन्य सामग्रियों से घर से सजाने के तरीके भी बताए।

डिपार्टमेंट वाइज लगाया गया वेस्ट एग्जीबिशन

डे-एनयूएलएमः डे-एनयूएलएम टीम के सदस्यों द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक से फ्लावर, पुराने कपड़ों के कतरन से मैट, पुराने दीयों से झूमर, कार्ड बोर्ड से पेन स्टैंड एवं पुराने कपड़े से फ्लावर पॉट का निर्माण सुंदर व आकर्षक तरीके से कर प्रदर्शनी में लगाया गया।

एसबीएमः जे.सी.बी. के टायर से सोफा, पैकेजिंग वेस्ट से फाउंटेन, पुराने फाइबर से झाड़ू, प्लास्टिक बॉटल से हैंगिंग गार्डेन।

बर्थ ऐंड डेथः उनके तहत फूड पैकेट से पॉट का निर्माण ।

नगर परिषद कार्यालय में आयोजित प्रदर्शणी का दृश्य

स्वच्छ सर्वेक्षण 2022

पुरस्कार वितरण

प्रथमः	एस.बी.एम (टायर से सोफा)
द्वितीयः	पैकेजिंग से फाउंटेन
तृतीयः	सिंगल यूज़ प्लास्टिक से फ्लावर
चतुर्थः	प्लास्टिक बॉटल से पेड़ एवं पॉट
पंचमः	प्लास्टिक बॉटल से पॉट

कचरे के उचित प्रबंधन के बारें में लोगों को किया गया जागरूक

नगर परिषद के अधिकारियों ने लोगो को जागरूक करते हुए बताया कि बीते दिनों में भारतवर्ष में लोग "हीट वेव" से परेशान थे। हम सभी ग्लोबल वार्मिंग, क्लाइमेट चेंज जैसे परेशानियों से जूझ रहें हैं। ये आपदा हमारी आदतों एवं कचरा प्रबंधन के नियमों को नहीं अपनाने की वजह से हुआ है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए इस "मदर्स डे" को हम सब मदर नेचर को समर्पित करते हुए सस्टेनेबल आदतों को खुद में शामिल करते है और एक जुट होकर मदर अर्थ को बचाने का प्रयास करते है।

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना अंतर्गत जॉब कार्ड प्राप्त लाभुक (मानगो नगर निगम)।

सरकार मजदूरों के हित में लगातार काम कर रही है और सरकार मजदूरों के सशक्तिकरण एवं उत्थान के लिए कई हितैषी योजनाओं की भी शुरुआत की है। जिसका व्यापक बदलाव राजभर के श्रमिकों के जीवन में देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में इनके हितों की रक्षा एवं जीवन स्तर में सुधार हेतु दिनांक 01.05.2022, अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस (International Labour Day) पर भी राज्य के विभिन्न नगर निकायों में कई कार्यक्रम आयोजित किये गये।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर रही कार्यक्रमों की धूम

राज्य भर के नगर निकायों में हुए विविध कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर डीएमए के तत्वावधान में राज्य भर के विभिन्न नगर निकायों में कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम के माध्यम से विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ श्रमिकों तक पहुँचाया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत बड़ी संख्या में श्रमिकों का निबंधन करते हुए उन्हें जॉब कार्ड निर्गत किया गया। साथ ही योजना की विशेषताओं से अवगत कराते हुए उन्हें जागरूक भी किया गया।

लाभुकों को जागरूक करते निगम के कर्मचारी।

कोरोना संक्रमण दौर में रोजगार का अभाव था। दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह दौर विभीषिका के समान था। इसको देखते हुए राज्य सरकार के स्तर पर कार्य योजना तैयार की गई और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों में रोजगार को लेकर जो तनाव था, उसे काफी हद तक सरकार ने कम करने का प्रयास किया। संक्रमण काल में प्रवासी मजदूरों ने जो कुछ झेला है, ऐसा दोबारा ना हो, इसके लिए सरकार उनके पलायन को देख सुरक्षित और जवाबदेह प्रवासन सुनिश्चित करने हेतु सरकार ने कदम बढ़ाते हुए ठोस नीति का निर्माण के साथ श्रमिकों के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री श्रमिक योजना की शुरुआत की थी। जिसका अब सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है। योजना के तहत अब तक राज्य सरकार ने 62,216 जॉब कार्ड निर्गत किया, वहीं 11,95,650 मानव दिवस कार्य का भी आवंटन किया है।

मानगो नगर निगम में भी 50 से ज्यादा श्रमिकों को दिया गया जॉब कार्ड : मानगो नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के मौके पर 50 से ज्यादा महिला श्रमिकों को जॉब कार्ड का वितरण किया गया। इस दौरान नगर निगम क्षेत्र के संकोसाई, बालिगुमा आदि क्षेत्रों में कैंप लगाकर जॉब कार्ड का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत प्राप्त आवेदनों के आधार पर कार्यालय स्तर से वेरिफिकेशन के उपरांत लाभुकों का जॉब कार्ड बनाया जाता है और कार्य के मांग के आधार पर आवश्यकता अनुसार अकुशल श्रमिकों को साफ-सफाई, निर्माण कार्य समेत अन्य कार्यों में लगाया जाता है। जॉब कार्ड का वितरण कार्यालय के सीओ श्री नंदी पूर्तिऔर सीआरपी श्रीमती गायत्री नायक के द्वारा किया गया। इस वित्तीय वर्ष में मानगो नगर निगम को 1525 जॉब कार्ड बनाने का लक्ष्य दिया गया है।

किफ़ायती आवासों के लिए संबंधित बैंकों एवं हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

मनुष्य की जो तीन मूलभूत आवश्यकताएँ हैं - रोटी, कपड़ा और मकान। इन्हीं मूलभूत आवश्यकताओं एवं अपने जीवन के सपनों को पूरा करने के लिए मनुष्य अपने जीवनकाल का अधिकतर समय अथक प्रयासों में लगा देता है।

राज्य के शहरी आवासविहीनों के इन्हीं जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डीएमए निरंतर प्रयासरत है और इसी कड़ी में दिनांक 27.05.2022 को डीएमए निदेशक श्री राजेश कुमार पाठक की अध्यक्षता में PMAY(U) के घटक-3 के तहत निर्मित आवासों के लिए संबंधित बैंकों एवं हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में निदेशक महोदय ने सभी बैंकों व हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों के प्रतिनिधियों को योजना के तहत चयनित लाभुकों को ऋण के लिए दस्तावेज़ संबंधी प्रक्रियाओं के तत्काल निष्पादन एवं ससमय ऋण उपलब्ध कराने पर विशेष बल देने की बात कहीं। साथ ही लाभुकों के लिए गृह ऋण के नियम आसान बनाने संबंधी निर्देश भी दिए।

» बैंकों के साथ समन्वय स्थापित कर आसान आसान प्रक्रियाओं में लाभुकों के लिए लोन की उपलब्धता सुनिश्चित कराना है

बैंकों के अधिकारियों के साथ बैठक में चर्चा करते डीएमए निदेशक श्री राजेश कुमार पाठक।

पीएम आवास के क्रियान्वयन में निजी बैंकों की भूमिका ला रही रंग

स्टेट लेवल बैंकर्स समिति के तत्वावधान में आवास वित्त पर एसएलबीसी उपसमिति' की बैठक

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत सभी बुनियादी सुविधाओं सहित बने पक्के आवास अपने साथ लाभार्थियों के लिए गर्व और सामाजिक उन्नति की भावना भी लाते हैं। घर मिलने से लाभार्थियों का अपने अन्य सपनों को पूरा करने का विश्वास भी मजबूत होता है। दिनांक 11.05.2022 को स्टेट लेवल बैंकर्स समिति के तत्वावधान में आवास वित्त पर एसएलबीसी उपसमिति' की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई।

आयोजित बैठक में मुख्य रूप से वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान आवास वित्त में बैंकों के प्रदर्शन, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के प्रचार-प्रसार एवं योजनान्तर्गत स्वीकृत ऋणों से संबन्धित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस बैठक में डीएमए के सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी, एसएलबीसी के प्रतिनिधि श्री रूपेश कुमार, राष्ट्रीय आवास बैंक के क्षेत्रीय प्रतिनिधि तथा सम्बद्ध बैंकों के नियंत्रक प्रमुख उपस्थित रहें।

ऋण वितरित करने में निजी बैंकों का प्रदर्शन है सराहनीयः एसएलबीसी के प्रतिनिधि रूपेश कुमार ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान आवास हेतु ऋण वितरित करने में बैंकों के जिलावार एवं बैंकवार प्रदर्शन की समीक्षा की गई। पिछले साल की तुलना में इस वर्ष निजी बैंकों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा, जबकि सरकारी बैंकों की भूमिका इस वर्ष औसत से कम रही। इसे लेकर उनके द्वारा गहरी नाराजगी जताई गई। उनके द्वारा जिलावार/बैंकवार प्रदर्शन की समीक्षा के दौरान ऋण वितरित करने में केनरा बैंक तथा जिला में जमशेदपुर अक्षेस की सर्वोत्तम भूमिका के लिए सराहना की गई। वहीं, बैंक ऑफ इंडिया का प्रदर्शन निम्न रहने के कारण ऋण वितरण करने में आ रही परेशानियों को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

आयोजित ऑनलाइन बैठक में अपनी बात रखते डीएमए के सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी, एवं PMAY(U) टीम लीडर श्री राजन कुमार।

सकारात्मक रुख अपनाने की है जरूरत

बैठक के दौरान डीएमए के सहायक निदेशक ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घटक-3 से संबन्धित जानकारी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान में राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों में कुल 21 किफ़ायती आवास परियोजना का क्रियान्वयन किया जाना है, जिसमें से 17 परियोजना प्रगति पर है एवं 4 की अभी-अभी शुरुआत हुई है। अंत में उन्होंने सभी बैंकों के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घटक-3 के तहत चयनित लाभुकों को दस्तावेज संबंधी प्रक्रिया को त्वरित निष्पादित करते हुए ससमय ऋण उपलब्ध कराएं तथा उस दौरान आ रही सीएनटी जैसे क़ानूनों के पेंचीदगी के प्रति सकारात्मक रुख अपनाएं।

पीएम स्वनिधि से गरीबों की जिंदगी में लौट रही खुशहाली

पीएम स्वनिधि योजना स्वालंबन की राह दिखाने में सार्थक साबित होते नजर आ रही हैं। कई महिलाएं सफल रोजगार कर न सिर्फ अपनी तकदीर को संवार रहीं हैं, बल्कि घर का सहारा भी बन रहीं हैं। वह महिलाएं उन महिलाओं को आइना दिखा रही हैं जो सिर्फ तकदीर और भाग्य के भरोसे रहती हैं। कोरोना काल में आर्थिक तंगहाली से जूझ रहे सिमडेगा नगर परिषद क्षेत्र के पंजीकृत फुटपाथ विक्रेताओं के लिए पीएम स्वनिधि योजना वरदान साबित हुई है। इस योजना के तहत क्षेत्र के दुकानदारों को नगर परिषद एवं बैंक के पहल पर आसानी से लोन दिया जा रहा है। यहाँ से लोन लेकर शहर के कई फुटपाथ दुकानदार अपना व्यवसाय बढ़ाते हुए अच्छी आमदनी कर रहे हैं।

नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 05 में रहने वाली विधवा महिला सीता देवी पीएम स्वनिधि योजना के लाभ से ही स्वरोजगार से जुड़ कर अपने जीवन स्तर में बदलाव लायीं।

आर्थिक तंगहाली से उबर कर स्वरोजगार से स्वावलंबन की ओर हैं अग्रसर

सीता देवी एक अत्यंत निर्धन परिवार से ताल्लुक़ रखती हैं। इनके परिवार में 3 सदस्य हैं, जिनमें 1 बेटी एवं एक बेटा है। कुल 2 संतानों की मां सीता देवी ने परिवार की जिम्मेवारी एवं अपने जीवन के आर्थिक तंगी को देखते हुए दूसरे की दुकान में सिलाई का काम करना शुरू किया। परन्तु अत्यधिक काम के उपरांत भी जीवन-यापन लायक धन का उपार्जन नहीं हो पा रहा था। वस्तु स्थिति को देखते हुए सीता देवी ने स्वयं का सिलाई-कढ़ाई काम शुरू करने का मन बनाया। लेकिन, पैसे के अभाव में वह सिलाई मशीन खरीदने में असमर्थ थी।पूंजी का आभाव, परिवार की जिम्मेवारियों एवं विचारों के कशमकश के बीच इनकी मुलाकात क्षेत्र की उफ्द दीदी श्रीमती नीता देवी से हुई। उफ्द दीदी ने इनकी परेशानी को समझते हुए तुरंत इनकी मुलाकात सूचना मिशन प्रबन्धक को दी। सूचना प्राप्त होते ही उन्होंने कार्यालय बुलवाकर दस हजार रूपये के लोन के लिए सीता देवी का ऑनलाइन आवेदन भरवाया। साथ ही दुकान चलाने के लिए जगह भी आवंटित किया। सीता ने लोन से मशीन खरीदी और रोजाना 300 से 400 रुपये कमा रही है। अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ा-लिखा रही हैं। इसके अलावा उनकी जिंदगी के जो सपने अधूरे रह गए थे, उसे भी एकक करके पूरा कर रहीं हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि अपनी आमदनी से उन्होंने ससमय लोन राशि भी चुकता कर दी।

स्वरोजगार से स्वावलंबन की ओर है अग्रसर

सीता ने अब दूसरी किश्त के रूप में 20,000/- रुपये का लोन लेने के लिए बैंक में आवेदन जमा किया है। उन्होंने बताया कि वह लोन लेकर पिको सिलाई मशीन खरीदेंगी। सीता कुमारी ने कहा कि सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना कोविड-19 महामारी जैसे बुरे दौरे में भी वरदान साबित हुई है। इसके अलावा शहर में अन्य कई लोगों के लिए यह योजना वरदान साबित हुई है।

डीएमए निदेशक श्री राजेश कु. पाठक के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का हुआ आयोजन

33 वर्षों की निर्बाध सेवाकाल में अखंड बिहार एवं झारखंड राज्य के महत्वपूर्ण पदों को किया सुशोभित

डीएमए के निवर्तमान निदेशक श्री राजेश कुमार पाठक (भा.प्र.से.) के सम्मान में दिनांक 31.05.2022 को नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग के स्मार्ट सिटी ऑडिटोरियम में सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सूडा के निदेशक श्री अमित कुमार, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार के एडिशनल सेक्रेटरी श्री के.के. मिश्रा, संयुक्त सचिव श्री ज्ञानेन्द्र कुमार, एवं डीएमए के सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी ने निदेशक महोदय को शॉल ओढ़ाकर व भेंट देकर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में निदेशालय के वरीय अधिकारी व कर्मी भी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान निदेशक महोदय के सेवाकाल से जुड़ी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को स्मरण किया गया साथ ही उपस्थित अधिकारियों ने उनके भावी जीवन के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

33 साल के सेवाकाल में कई चुनौतियों का किया सामनाः सेवानिवृत्ति समारोह में निवर्तमान निदेशक ने कहा कि व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र से गहराई से जुड़ा होता है पर एक न एक दिन अपने सहकर्मियों को अलविदा कहने का समय आ ही जाता है। यह बहुत ही भावपूर्ण दिन होता है जो दिमाग में यादों की अमिट छाप छोड़ा। यद्यपि मुझे काम करते हुए 33 साल हो गए हैं लेकिन ऐसा लगता है कि मैंने कल से ही काम शुरू किया है। 33 साल के कार्यकाल में मैंने कई चुनौतियों का सामना किया, जो नक्सल क्षेत्र में उत्पन्न विषम परिस्थितियों से काबू पाने से शुरू हुआ, कोविड-19, चुनाव एवं उपचुनाव, कोविड-19 की दूसरी लहर की स्थिति सामने आई, लेकिन पदाधिकारियों, कर्मियों व आम जन के सहयोग से उपलब्ध संसाधन से सभी समस्या का समाधान करने का प्रयास किया। ताकि, अधिक से अधिक लोगों को राहत पहुंचाई जा सके। आमजनों की समस्या के निराकरण का भी हर संभव प्रयास किया। अपने कार्यकाल के दौरान मुझे अच्छे पदाधिकरीयों व सहकर्मियों का सहयोग मिलता रहा। वर्ष 2019 में सुंदर स्वच्छ शौचालय के निर्माण के लिए गिरिडीह जिला को प्रथम स्थान मिला था, जिसमें केंद्रीय मंत्री के कर कमलों द्वारा मुझे पुरस्कृत किया गया।

आगे उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति एक स्वाभाविक प्रक्रिया है और इस प्रक्रिया से एक दिन सभी को गुजरना पड़ता है। उन्होंने कहा कि नगरीय प्रशासन निदेशालय में सभी का सहयोग अच्छा रहा, सभी ने मिलजुलकर कार्य किया जिससे वे बधाई के पात्र हैं। मुझे उम्मीद है कि आप सभी आगे भी मिलजुलकर पूरे लगन व ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। सरकारी सेवा में जिस भी अधिकारी/कर्मचारी को जो अधिकार मिले हैं। वह हमारी जिम्मेदारियां भी है। हमें पूरे अनुशासन और लगन के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए, ताकि सेवाकाल के दौरान हम ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ पहुंचा सकें। अंत में निदेशालय के अधिकारियों व कर्मियों ने निदेशक महोदय के परिजनों को पौधा देकर सम्मानित किया। निदेशक महोदय ने सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया और कहा कि जब भी उनकी जरूरत हो कोई भी कर्मी, पदाधिकारी सीधे संपर्क कर सकते हैं।

पुष्पगुच्छ देकर निर्वतमान निदेशक महोदय को सम्मानित करते सूडा के निदेशक श्री अमित कुमार।

लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना एक उपायुक्त के लिए बड़ी चुनौती

"सूडा के निदेशक श्री अमित कुमार ने अपने चतरा जिले में पदस्थापन से जुड़े संस्मरण को याद करते हुए बताया कि लोकसभा चुनाव, विधान सभा एवं पंचायत चुनाव के दौरान विषम परिस्थितियों को कैसे बेहद सहज व सरल तरीके से निष्पादित किया, वो मैंने अपने पहले असाइनमेंट के दौरान सीखा था। चुनाव के दौरान आम लोगों तथा जन प्रतिनिधियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना एक उपायुक्त के लिए बड़ी चुनौती होती है। इनके साथ मेरी बहुत सी यादें जुड़ी हैं जो अविस्मरनिय है।

-श्री अमित कुमार, निदेशक, राज्य शहरी विकास प्राधिकरण

- कोरोना काल जैसे विषम परिस्थितियों से निपटने में इनकी भूमिका रही अविस्मरणीय
- गिरीडीह में पदस्थापन के दौरान स्वच्छता सम्बंधी कार्यों के लिए पुरस्कार

गढ़वा एवं गिरिडीह जिले में उपायुक्त के पद पर पदस्थापन के दौरान भूमिका रही अविस्मरणीय

डीएमए से पूर्व मेरा पदस्थापन गढ़वा जिला में रहा और पूर्व में मैंने जहां भी काम किया। वहां अपनी कार्यशैली से अमिट छाप छोड़ी है। जिले की योजनाओं की राज्यस्तरीय समीक्षा के दौरान मैंने अपने जिले की योजनाओं और आकांक्षाओं को तत्परता पूर्वक रखता रहा। उपायुक्त रहते यहां के पदाधिकारियों, कर्मियों और आम जन के सहयोग से सरकार की योजनाओं और आकांक्षाओं को ऊंचाई तक पहुंचाने की भरसक कोशिश की।

सेवानिवृति समारोह में डीएमए के पदाधिकारियों के साथ निर्वतमान निदेशक श्री राजेश कुमार पाठक।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली के रूप में प्रसिद्धः खूंटी

पेरवाघाघ जलप्रपात

12 सितंबर 2007 को राँची जिला से विभाजित होकर झारखण्ड के 23वें जिले के रूप में खूंटी अस्तिव में आया था। यह दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल का भाग है, जो राज्य की राजधानी राँची से लगभग 40 कि.मी. की दूरी पर अवस्थित है। खूंटी नगर पंचायत की स्थापना 14 जून 1957 को हुई थी।

खूंटी नगर पंचायत एक नज़र में

कुल क्षेत्रफल: 25.80 वर्ग किलोमीटर

औसत साक्षरता दर: 64.51%

कुल जनसंख्या: 36,390

पुरूष : 18,566

महिला : 17,824

अध्यक्षः श्री अर्जुन पहान

उपाध्यक्षः श्रीमती राखी कश्यप

प्रमुख धार्मिक व पर्यटन स्थल

- पंचघाघ जलप्रपात
- अंगराबारी-शिव मंदिर
- डोम्बारी बुरु
- उलिहातु
- बिरसा मृग विहार/ डियर पार्क
- पेरवाघाघ एवं रानी जलप्रपात

भाषाः नागपुरी, मुंडारी

भगवान बिरसा मुण्डा का जन्म खूंटी जिले के अड़की प्रखंड स्थित उलीहातु ग्राम में हुआ था, जो आदिवासी बहुल क्षेत्र है। इनके जन्म स्थान को ऐतिहासिक स्थल के रूप में जाना जाता है। यहाँ के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि पर आधारित है। खूंटी नगर पंचायत की औसत ऊंचाई समुद्र तल से लगभग 1200 फीट है। दक्षिण से उत्तर की ओर कोयल और सोन नदी की ओर है। कोयल पूर्वी सीमा बनाती है और सोन नगर पंचायत की उत्तरी सीमा बनाती है। अन्य उल्लेखनीय नदी कनहर है। अपने भौगोलिक स्थिति के कारण खूंटी नगर पंचायत जल संसाधनों में समृद्ध है। इस नगर पंचायत का मौसम पूरी तरह से शुष्क और ठिठुरन भरा है।

खूंटी जिला प्राकृतिक रूप से हरे-भरे वनों, पहाड़ों एवं घाटियों से घिरे हुए अपनी सांस्कृतिक परम्पराओं तथा लोककथाओं को दर्शाती है। इस जिला में हॉकी के प्रतिभावन खिलाड़ी भी रहे हैं, जो अन्तरराष्ट्रीय स्तर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके है।

योजना एक नजर में

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)-PMAY (U)

खूंटी नगर पंचायत क्षेत्रांतर्गत चतुर्थ घटक के तहत अभी तक 3821 लाभुकों का चयन किया गया है। वितीय वर्ष 2021-22 में 835 लाभार्थियों को चयनित कर 335 लाभुकों का जियो टैग किया जा चुका है। तृतीय घटक के तहत जमुआदाग किफायती आवास परियोजना का शिलान्यास किया जा चूका है। उक्त आवासीय परियोजना के लिए विभागीय स्तर पर कुल 210 लाभुकों का चयन किया जाना है, जिसके एवज में 122 लाभुकों के द्वारा पंजीकरण की राशि जमा की जा चुकी है।

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM)

योजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह आरएफ 28 के लक्ष्य विरुद्ध 05 का लक्ष्य पूर्ण किया जा चुका है। एसएचजी क्रेडिट लिंकेज का लक्ष्य 01 पूर्ण किया जा चुका है। स्ट्रीट वेंडर का अभी तक 271 पहचान पत्र सृजित करते हुए उसका आवंटन किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY)

खूंटी नगर पंचायत के द्वारा मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत इस वितीय वर्ष में 56 श्रमिकों का जॉब कार्ड का सृजन किया गया है एवं इसके अनुपात में 1040 कार्य का आवंटन किया गया।

प्रधानमंत्री फूड प्रोसेसिंग योजना (PMFME)

प्रधानमंत्री फूड प्रोसेसिंग योजना के तहत खूंटी नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आवंटित 3 के लक्ष्य को पूर्ण किया जा चूका है।

पीएम स्वनिधि योजना (PMSVANidhi)

खूंटी नगर पंचायत क्षेत्र द्वारा पीएम स्वनिधि के तहत 239 पथ विक्रेताओं को 10,000/- रूपये का लोन दिलाया गया है।

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (SBM-U)

SBM-1 के तहत वर्तमान में कुल 2218 लाभुकों द्वारा व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण किया गया है, जिसमें से कुल 14 सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालय की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही सार्वजनिक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में 19 मॉड्यूलर शौचालय निर्मित है।

SBM 2.0 के अंतर्गत नगर पंचायत खूंटी को यूनिसेफ़ द्वारा एक आइडियल निकाय के रूप में विकसित करने के लिए चयनित किया गया है एवं इसके लिए निकाय में FSTP का निर्माण प्रस्तावित है। जल-मल प्रबंधन हेतु वर्तमान तक निकाय स्तर पर दो बार प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा चुका है। साथ ही इस संबंध में विभागीय स्तर पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने हेतु क्षेत्र दौरा का नियमित रूप से आयोजन किया जा रहा है। जल मल के प्रबंधन के प्रचार प्रसार हेतु नगर निकाय एवं संबन्धित एजेंसी नियमित रूप से कटिबद्ध है।

डीएमए के तत्वावधान में खूंटी नगर पंचायत के अधिकारियों ने लक्ष्य के अनुसार उक्त योजनाओं के सफल क्रियान्वयन एवं संचालन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके लिए निकाय क्षेत्र के सभी अधिकारी बधाई के पात्र हैं। डीएमए खूंटी नगर पंचायत के उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

संरक्षक
श्री हेमंत सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री

संपादक
श्री विनय कुमार चौबे
सचिव
नगर विकास एवं आवास विभाग

कार्यकारी संपादक
श्री राजेश कुमार पाठक
निदेशक
नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग

यह बुलेटिन विभाग के कार्यों के प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से प्रकाशित है।

नगर निकायों एवं निदेशालय द्वारा संचालित किए जा रहे गतिविधियों एवं कार्यकलापों के संबंध में

दैनिक अखबारों में प्रकाशित खबरों की संक्षिप्त झलकियाँ.....!

प्रधानमंत्री के साथ केन्द्रीय योजनाओं के लाभुकों का सीधा संवाद

श्रमिक योजना को लेकर जागरूकता शिविर का आयोजन

जमशेदपुर: मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत लोगों को योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से मानगो नगर निगम कई क्षेत्र में कैंप का आयोजन किया गया. इस दौरान सभी को मुख्यमंत्री श्रमिक योजना से संबंधित जानकारी दी गई एवं जॉब कार्ड निर्गत कर अवकाश

आजादी का अमृत महोत्सव. 500 आवेदन पर 150 ...

बैंकों ने बांटे 93.93 करोड़ रुपये के ...

जलजमाव और गोबर की समस्या का होगा निदान

भुइयांडीह ब्राह्मण टोला

- संयुक्त टीम का निरीक्षण, स्थानीय लोगों को मिला समाधान का आश्वासन

जमशेदपुर. भुइयांडीह ब्राह्मण टोला में जलजमाव और गोबर की समस्या का निदान होगा. शुक्रवार को जमशेदपुर अक्षेस और टाटा स्टील यूटिलिटीज एंड ... खुले नाली में बहा देते हैं. इससे जलजमाव होने के साथ ही बारिश का पानी नहीं निकल पाता है. साथ ही सड़क संकीर्ण हो जाती है. इसके कारण लोगों को परेशानी होती है. टीम में अक्षेस के विशेष पदाधिकारी कृष्ण कुमार, नगर प्रबंधक, अक्षेस के अभियंता और टाटा स्टील यूटिलिटीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज लिमिटेड के कैप्टन धनंजय

एक्सपोजर भ्रमण में कौशल विकास प्रशिक्षणार्थियों ने कई कलाओं को सीखा

JNAC disburses loans under PM Swanidhi Yojana

Mail News Service

Jamshedpur, June 6: Loan amounts of Rs 10,000 per street vendor was disbursed to the beneficiaries under the Ministry of Housing and Urban Affairs, Government of India and Directorate of Urban Administration, Department of Urban Development and Housing, Government of Jharkhand as per Deendayal Antyodaya Yojana's PM Swanidhi of National Urban Livelihood Mission in Jamshedpur by Jamshedpur Notified Area Committee (JNAC). The loan amounts were paid to the beneficiary vendors through HDFC Bank and Bank of Baroda to 6 urban street vendors under JNAC.

JNAC Special Officer Krishna Kumar informed that the street vendors registered under PM-Swanidhi Yojana of Deendayal Antyodaya Yojana National Urban Livelihood Mission were provided Rs 10,000 as the initial loan amount and then the beneficiaries would get a loan amount of Rs 20,000 and finally, Rs 50,000 as the third and final loan amount. Presently, HDFC Bank and Bank of Baroda have provided loan of Rs 10,000 each as the first tranche of PM-Swanidhi Yojana to three urban street vendors. Those present during the loan disbursement included Branch Managers of HDFC Bank and Bank of Baroda JNAC City Mission Manager Md Anwar Hussain and Community Resource personnel Lalit Goswami and Aamrin Naaz

जेएनएसी : 90 युवाओं को मिली नौकरी

पांच लाभुकों को नौकरी पर जाने को मिला एयर टिकट

जमशेदपुर वरीय संवाददाता

जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) कार्यालय में शनिवार को 90 शहरी पथ विक्रेताओं व स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को विभिन्न ट्रेड का प्रशिक्षण दिलाने के बाद सर्टिफिकेट का वितरण किया गया। इन युवाओं को चेन्नई व बेंगलुरु के होटल में बार टेंडर के तौर पर नौकरी मिली है, जबकि इनमें से छह लोगों को बिष्टुपुर के नटराज होटल में नौकरी मिल गई है।

शनिवार को चेन्नई जाने के लिए रांची एयरपोर्ट पहुंचे मानगो नगर निगम के लाभुक।

हर जिले में बनेगा 75 अमृत सरोवर ताकि याद रहे आजादी का अमृत महोत्सवः अन्नपूर्णा देवी

मंत्री ने केंद्र की योजनाओं को हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए राजनीति दल, जिला प्रशासन और आम लोगों से मांगा सहयोग

परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम में मंत्री अन्नपूर्णा के सामने पोषण सखियों का जम कर हंगामा, मंत्री के सामने ही सरकार के खिलाफ की जमकर नारेबाजी

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के लाभुकों के बीच जाब कार्ड वितरित

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार

Follow us on : @JharkhandDMA , Website : dmajharkhand.in

1st Floor, JUPMI Building, Beside H.E.C Headquarter, Dhurwa, Ranchi -834004, Jharkhand